खेल खेलने के तरीके से हुए एक-दूसरे से परिचित

आठवां संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में टीइक्यूआइपी-ट्रिपल आई द्वारा पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के तहत आठवें व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, बिहार झारखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश , मध्यप्रदेश, ओडिशा, त्रिपुरा राज्यों के इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर समेत लगभग 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसके निदेशक प्रोफेसर एम कन्नदासन और प्रोफेसर धनंजय बापट और टीईक्यूआइपी समन्वयक प्रोफेसर संजीव पराशर, डीन (शिक्षाविद) हैं। कार्यक्रम के पहले दिन के पहले प्रो. संजीव पराशर द्वारा आइस-ब्रेकिंग और आविष्कारों पर पहला सत्र केंद्रित रहा जिसमें प्रतिभागियों को खेल व खेलने के तरीकों के माध्यम से एक-दूसरे को परिचित कराया। ताकि संकाय सदस्यों के बीच मौजूद दूरी को कम किया जा सके।

टीईक्यूआइपी-ट्रिपल आई द्वारा पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम उपस्थित लोग।

उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे सुविधाकर्ताओं को उन पर काम करने दें, ताकि वे पांच दिनों के कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। आइस-ब्रेकिंग सत्र के बाद, प्रो धनंजय बापट ने विजन, मिशन और अकादमिए लक्ष्यों पर चर्चा की, जिसमें आकांक्षाओं को स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा, आकांक्षाओं और रणनीति के बीच संबंध पर प्रकाश डाला गया। जिसमें बताया गया कि हित अपने अकांक्षाओं को रणनीति के साथ कैसे पूरा कर सकते हैं। इसके बाद प्रोफेसर पंकज सिंह ने 'प्रभावी सहयोग के लिए निर्माण टीमों' पर एक सत्र आयोजित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि यदि आप अपनी टीम के निर्माण कौशल पर काम नहीं करते हैं तो प्रभावी रूप से काम करना असंभव है। दिन का अंतिम सत्र प्रोफेसर एम कन्नदासन ने लिया। जिसमें उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में वित्तीय प्रणाली पर चर्चा की। उन्होंने सामान्य वित्तीय नियमों, अनुदान सहायता और ऋण, बजट और खातों की पुस्तकों को बनाए रखने के लिए प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला।

Naidunia 21 May 2019, P.07